

रुसी भाषा के शब्द -

सोवियत रुस में स्पूतनिक ने ^(कमी मुडा) खुबल से वोदका खरीदी
जिसको ^{-पन्डमा} भूना पर जार ने पीया।
^(पर स्त्री से प्रेम करने वाला)

उच भाषा के शब्द - ठुरूप, बम (लैंगा गाड़ी के)

चीनी भाषा के शब्द - चाय, चीनी, चीकू, लीची, चाऊमीन

जापानी भाषा के शब्द - रिक्शा, सायोनारा
^(अंत्मविदा)

फ्रेंच/फ्रांसीसी भाषा के शब्द-

फ्रांसीसी मेजर और अंग्रेज पिकनिक पर गए और उन्होंने

रेस्तरां में पहुँचकर मीनू से बादाम का सूप मँगाया तथा

लेम्प के कूपन में कारतूस निकले जिससे वहाँ कसूरू भगा।

पुर्तगाली भाषा के शब्द- अलमारी, अनन्नास, आलपिन, इस्पात, इस्त्री,

कर्नल, कमीज, काज, कमरा, काफी, गोदाम, गोभी, गमले,
चाबी, गोलिआ, फीता, बाल्टी, बोटल, संतरा, मिस्त्री, नीलाम इत्यादि

संकर शब्द - संकर का अर्थ होता है - 'मिश्रण'

वे शब्द जो दो अलग-अलग भाषाओं के शब्दों से मिलकर बने हैं, संकर शब्द कहलाते हैं -

जैसे - रेलगाड़ी - रेल + गाड़ी, जांचकर्ता, बिसातखाना

अंग्रेजी हिन्दी फारसी हिन्दी अरबी फारसी

बेमौसम, बेपरवाह, बदनसीब, बदकिस्मत

फारसी अरबी फारसी अरबी फारसी अरबी फारसी अरबी

② व्युत्पत्ति/रचना/बनावट के आधार पर शब्द के भेद-

- (i) → रूढ़ शब्द
- (ii) → यौगिक शब्द
- (iii) → योगरूढ़ शब्द

(i) **रुढ़ शब्द-**

वे शब्द जो वर्षों से एक ही अर्थ में प्रयुक्त हो गए हैं, रुढ़ शब्द कहलाते हैं -

जैसे- दिन, धूप, भड़का, नदी, पहाड़, आकाश, दीपक, रोली इत्यादि

(ii) **यौगिक शब्द-**

वे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बनते हैं, दोनों शब्दों का अलग-अलग अर्थ होता है, तथा अपने ही अर्थ में प्रयोग किए जाते हैं -

योगिक शब्द कहलाते हैं:-

जैसे- अभयारण्य- अभय + अरण्य ⇒ भयसे रहित जंगल

प्रत्यक्ष- प्रति + अक्षि = आँखों के सामने

पर्यावरण- परि + आवरण - चारों ओर से घिरा हुआ

विशेष- संधि, समास, उपसर्ग और प्रत्यय के समस्त उदाहरण,

योगिक शब्द कहलाते हैं। केवल बहुव्रीहि समास को छोड़कर।

(iii) **योगरुढ़शब्द** - वे शब्द जो दो शब्दों से मिलकर बनते हैं दोनो शब्दों का अलग-अलग अर्थ होता है, लेकिन किसी अन्य के अर्थ में रुढ़ हो जाते हैं, योगरुढ़ शब्द कहलाते हैं -

जैसे - **पीताम्बर** - पीत + अम्बर, **गुडाकेश** - गुडाका + ईश

पीत + अम्बर → कृष्ण/विष्णु
 गुडाका + ईश → अर्जुन/शिव

विशेष - बहुव्रीहि समास के समस्त उदाहरण 'योगरुढ़' शब्द कहलाते हैं।